

x'g ea=ky;] Hkkjr l jdkj
%dlnh; fj toz ifyl cy%

ubl fnYyh
fnukad 18 ebl 2018

21 ebl 2018 dks dlnh; fj toz ifyl cy ds cLrfj; k cVky; u dk ikfl x vkmV ijM

yEcs brtkj ds ckn dlnh; fj toz ifyl cy dk cLrfj; k cVky; u NRrhl x<+ ea uDI yjks/kh vfHk; ku ds fy, r\$ kj g\$ A NRrhl x<+ ds vFEcdki g ea fnukad 21@05@2018 dks ikfl x vkmV ijM ds rjUr ckn bu cLrfj; k tokuka dks uDI fy; ka ds x<+ cLrj fMohtu ea uDDI y jks/kh vfHk; ku ds fy, r\$kr fd; k tk, xk A bl cVky; u dk l a[; k uke 241 rFkk mi uke cLrfj; k cVky; u j [kk x; k g\$ ftl dk emy dkj .k bl cVky; u ea tokuka dk p; u NRrhl x<+ ds xEHkj ; i l s uDI y iHkkfor ftys chtki g] nkarokjk] नारायणपुर और सुकमा जिलों से किया गया है । इसका दूसरा उल्लेखनीय विशेषता यह g\$ fd इसमें पर्याप्त महिलाओं का प्रतिनिधित्व है जो महिलाओं के लिए सरकार की 33 प्रतिशत vkj {k.k uhfr ds vuq i g\$ A

; |fi bl u, cVky; u dh uQjh 743 g\$ fQj Hkh igys pj.k ea vDncj 2016 ds मध्य से जनवरी के अन्त तक के0रि0पु0 बल द्वारा बस्तर क्षेत्र में विशेष भर्ती vfHk; ku pykdj 739 vH; fFk; ka dk p; u fd; k x; k Fkk A ftl eq varr% 189 efgyk l fgr dty 534 fj dMka को ए0टी0सी0 बिलासपुर और ए0टी0सी0 अम्बिकापुर में 44 सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण दिया गया, इस प्रशिक्षण में गुरिल्ला युद्ध, छद्म एवं स्वल्पहार रहकर लड़ना और जंxy ; q} dh l Hkh तकनीक भी शामिल है । पासिंग आउट परेड के बाद ये जवान छत्तीसगढ़ के नक्सली क्षेत्रों में dlnh; fj toz ifyl cy ds l ekU; M; Mh cVky; u , oa dkckj cVky; u ds l kFk uDI fy; ka से लड़ने के लिए तैनात किए जाएंगे । गत वर्ष अप्रैल के शुरुआत में बस्तरिया बVky; u vfLrRo ea vk; k ftl dks cLrj {ks= ea dOfj 0i 0 cy ds yMkdka ds l kFk LFkkuh; i frfuf/kRo dks c<kus ds fy, cuk; k x; k g\$ bl ds vykok cLrfj; k ; pkvka dks jkstxkj ds fy, , d स्वर्णिम अवसर प्रदान किया गया है । इसकी भर्ती प्रक्रिया भी कुछ अनूठी विशेषताआ dks प्रदर्शित करती है क्योंकि स्थानीय उम्मीदवारों को उचित मौका देते हुए इनके उंचाई और वजन के शारीरिक मानकों में छूट प्रदान की गई है । इसके अतिरिक्त स्थानीय युवाओं को इस भर्ती i fdz; k dk i wkl ykHk mBkus ds fy, Hkrhl l s igys dlnh; fj toz ifyl cy }kj k fl fod एक्शन प्रोग्राम के माध्यम से शैक्षणिक एवं शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

लगभग एक वर्ष के कठोर प्रशिक्षण और स्वयं के स्थानीय भौगोलिक स्थिति के अनुभव के साथ सी0आर0पी0एफ0 के ये लड़ाकू जवान प्रशिक्षण मैदान से बस्तर के युद्ध मैदान म yMkbl ds fy, r\$ kj g\$ A

&gLrk0& 18@05@2018
tul Ei dl vf/kdkjh]
महानिदेशालय, के-fj-i qcy